>

Title: Need to set up a 'Gujar regiment' in the country.

श्री सुखबीर सिंह जौनापुरिया (टोंक -सवाई माधोपुर): माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सदन में एक बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे को उठाना चाहता हूं। मैं माननीय रक्षा मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि जैसे रक्षा विभाग में जाट रेजिमेन्ट, राजपूत रेजिमेन्ट, इत्यादि जातियों से बटालियंस बनी हुई हैं, हमारे गुर्जर समाज की यह महत्वपूर्ण मांग बहुत लम्बे समय से है कि रक्षा विभाग में एक गुर्जर रेजिमेन्ट भी बनाने की कृपा करें, क्योंकि इस समाज का पुराना इतिहास रहा है, अंग्रेजों के जमाने में भी गुर्जर समाज के काफी वीर योद्धा हुए हैं और आजादी की लड़ाई में इस जाति के लोगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गूजर समाज सेना में वीर चक्र, शौर्य चक्र एवं विक्टोरिया मैडल विजेता रहा है। गूजर समाज के राजपूत रेजिमेन्ट में लगभग 8880 जवान एवं अधिकारी हैं और जाट रेजिमेन्ट में लगभग दो हजार हैं। इसी प्रकार से अन्य बटालियन में सेना के लगभग 30 हजार जवान अलग-अलग पदों पर आज भी कार्यरत हैं। गरीबी और शिक्षा के अभाव के कारण हमारे बच्चे दसवीं, बारहवी पास करके शहरों में जो छात्रावास बने हुए हैं, उनमें रात-दिन मेहनत करके सिर्फ आर्मी या सी.आर.पी.एफ. की तरफ जाते हैं। अगर वहां गुर्जर रेजिमेन्ट बन जाता है तो इन बच्चों को रोजगार मिल जायेगा और इनकी आर्मी में ज्यादा से ज्यादा भागीदारी होगी।

महोदया, ऐसे ही कश्मीर में गूजर बक्करवाल हैं, अगर शिक्षा में थोड़ी छूट मिल जाए तो मैं समझता हूं कि जो बक्करवाल वहां रहते हैं, वे रात-दिन आतंकवादियों को झेलते हैं, अगर उनके हाथ में आप सेना के द्वारा गन और बंदूक दे दें तो गुर्जरों की वजह से पूरा कश्मीर सुरक्षित हो जायेगा।